एन.ए. की बारह परम्पराएँ

हमारे पास जो है उसे हम केवल चौकन्ना रह कर ही रख सकते हैं और जिस तरह ऐडिक्ट को बारह कदमों द्वारा मुक्ति मिलती है उसी तरह समूह की मुक्ति बारह परम्पराओं से उभरती है।

जब तक हमें साथ रखने वाले बन्धन हमें अलग करने वालों से ज्यादा मजबूत है, सब कुछ ठीक रहेगा।

1. हमारा सार्वजनिक कल्याण प्रथम आना चाहिऐ, व्यक्तिगत सुधार एन.ए. की एकता पर निर्भर है।
2. हमारे सामूहिक उद्देश्य के लिये केवल एक परम अधिकारी हैं- एक प्रेम-पूर्ण ईश्वर, जो हमारे समूह के अंतरमन द्वारा व्यक्त होगा। हमारे मार्गदर्शक केवल विश्वसनीय सेवक हैं, वे शासन नहीं करते।
3. सदस्य बनने के लिये केवल एक जरूरत हैं-नशा बन्द करने की इच्छा।
4. हर समूह स्वायत्शासनीय होना चाहिये, सिवाय उन मामलों में, जो अन्य समूह या संपूर्ण एन. ए. पर प्रभाव करे।
5. हर समूह का केवल एक ही मुख्य उद्देश्य हैं - एन. ए. का संदेश उन ऐडिक्टों तक पहुँचाना जो अब भी पीड़ित हैं।
6. एन. ए. के समूह को किसी भी सम्बन्धित सुविधाओं या बाहरी संस्थाओं को कभी सर्मथन, आर्थिक सहायता या एन.ए. का नाम नहीं देना चाहिये, कही पैसा, संपत्ती या प्रतिष्ठा की समस्याएँ हमें हमारे मुख्य उद्देश्य से हटा न दें।
7. हर एन.ए. के समूह को बाहरी अंशदान अस्वीकार करते हुए पूरी तरह स्वावलंबी होना चाहिए।
8. नारकॉटिक्स एनॉनिम्स सदा अव्यवसायिक रहना चाहिये, लेकिन हमारे सेवा केन्द्र विशेष कार्यकर्ता नियुक्त कर सकते हैं।
9. एन. ए. जैसे है, कभी संगठित नहीं होना चाहिये, लेकिन हम सेवा परिषद या समितियाँ निर्माण कर सकते हैं, जो, सीधे उनके प्रति उत्तरदाई होंगे, जिनकी वे सेवा करते हैं।
10. नारकॉटिक्स एनॉनिम्स की बाहरी मामलों पर कोई राय नहीं है; इसलिये सार्वजनिक विवादों में एन. ए. का नाम कभी उठाना नही चाहिये।
11. हमारी जन-संपर्क नीति आकर्षण पर आधारित है, अपनी बढ़ाई करने पर नहीं - हमें समाचार पत्र, रेडिओ और चल-चित्र के स्तर पर हमेशा व्यक्तिगत अनामता रखनी चाहिये।
12. हमारी सभी परम्पराओं का आध्यात्मिक आधार अनामता है, जो हमें सदा सिद्धांतों को व्यक्तित्वों से पहले रखना याद दिलाता है।